



नाता न तोर - तू नाता न तोर  
 बृज की सखियाँ दीवानी कान्हा हो <sup>SSS</sup>  
 बंधी तेरी डोर-----तू नाता न तोर

प्रीत लगा के कहाँ गये हो कन्हैया  
 रोते हैं बाले - रोती है मैया  
 आजा कान्हा <sup>SSS</sup> आजा कान्हा,  
 रोये तेरी दीवानी राधा हो <sup>SSSSS</sup>  
 कहाँ चितचोर-----

तू नाता न तोर-----

गये हो कन्हैया काहे भैजी न पाती  
 याद में तड़पें तेरी - दिन और राती  
 आजा कान्हा <sup>SSSS</sup> आजा कान्हा,  
 हुई कैसी जिन्दगानी मेरी हो <sup>SSSS</sup>  
 नंद किशोर-----

तू नाता न तोर-----

सपनों में आयें तेरी यादें सुहानी  
 आजा "श्री बाबा श्री" बनी जग में कहानी  
 आजा कान्हा ssss आजा कान्हा  
 मेरी तरसे जवानी कान्हा हो ssss  
 देखूँ चहुँ ओर-----

तू नाता न तोर-----